



LED

समक्ष: न्यायालय श्रीमान रेवेन्यू बीड ज्वालियर राजस्व मंडल 8 जय जवलपुर म 090

मिर्गानी-5909 2018/बालाघाट प्रूक

रिवाज 1090

18/20

- 1- रामप्रसाद उमरुबी 53 साल जाति दोमर
- 2- प्रियप्रसाद उमरुबी 50 साल वल्ल प्रीतम दोमर
- 3- सुखाराबाई उमरुबी 56 साल, पति मजलाल मनी निवासी वार्ड नं. 11 वारासिक्की तहसील वारासिक्की जिला बालाघाट म 090,

---रिवाजकर्ता

विरुद्ध

नत्थुलाल उमरुबी 65 साल वल्ल वाराकण सुनार स 10 वार्ड नं. 10 वारासिक्की जिला बालाघाट

---गैर रिवाजकर्ता

रिवाज अन्तर्गत धारा 50 म 090 म राजस्व संहिता 1959

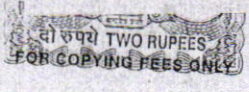
रिवाजकर्ता निम्न विनय करता है:-

0- न्यायालय श्रीमान अति. कमिश्नर जवलपुर संभाग जवलपुर के रा. प्र. क्र. 466/अ-6 2014-15 आदेश दिनांक 12.07.2018 से परिवर्धित होकर निम्न तथ्यों एवं आधारों पर समयावधि के अंतर यह रिवाज पेश की जा रही है:-

रिवाज के तथ्य

====X====

1- प्रकरण का संक्षिप्त इतिहास प्रकार है कि गैर रिवाजकर्ता नत्थुलाल इस न्यायालय में उत्तरवादी 8 के द्वारा एक आवेदन पत्र संहिता की धारा 109-110 के तहत दिनांक 29.6.2007 को तहसीलदार वारासिक्की जिसे प्रकरण में आगे से विचारण न्यायालय के नाम से संबोधित किया जाएगा 8 के समक्ष प्रस्तुत किया वारासिक्की नगर प. ह. वं. 26/2 में आवेदक के द्वारा सुराबाई विद्या लक्ष्मीनारायण दोमर से दिनांक 23.2.85 के द्वारा ख. नं. 479/1ग, एवं 479/2ख, एवं 480/5 रकबा 0.6300 कृष की गई थी उक्त भूमि पर विजय पत्र दिनांक 23.2.1985 के आधार पर वामांतरण किये जाने आवेदन



FOR COPYING FEES ONLY

स्थान तथा दिनांक

कार्यवाही अथवा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभावकों
आदि के हस्तक्षेप

3/12/18

प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत हुआ। अवलोकन किया गया। यह निगरानी अपर आयुक्त, जबलपुर संभाग, जबलपुर के प्रकरण क्रमांक 466 अ-6/2014-15 में पारित आदेश दिनांक 12-7-18 के विरुद्ध म0प्र0 भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ निगरानी की प्रचलनशीलता के सम्बन्ध में आवेदकगण के अभिभाषक का तर्क है कि अपर आयुक्त, जबलपुर का आदेश दिनांक 12-7-18 को पारित हुआ है तथा उनके द्वारा 12-9-18 को निगरानी प्रस्तुत की गई है इसलिये निगरानी सुनवाई योग्य है।

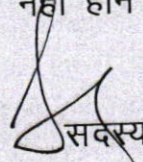
3/ आवेदकगण के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के क्रम में म0प्र0 भू राजस्व संहिता, 1959 (नवीन संशोधित संहिता प्रभावी दिनांक 25-9-18) की धारा 50 (2) (ख) इस प्रकार है :-

धारा 50 (2) - पुनरीक्षण के लिये कोई आवेदन -

(2) (ख) - द्वितीय अपील में पारित किसी आदेश के विरुद्ध।

ग्रहण नहीं किया जायेगा।

नवीन संशोधित संहिता प्रभावी दिनांक 25-9-18 में दी गई व्यवस्था के अनुरूप विचाराधीन निगरानी राजस्व मण्डल में प्रचलन-योग्य नहीं होने से अमान्य की जाती है।

 सदस्य

